कक्षा 10वीं – संस्कृत, पीयूषम भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#8. कर्मवीर कथा (Karmveer Katha)

विष के दाँत

(लेखक: नलिन विलोचन शर्मा)

1. लेखक परिचय (नलिन विलोचन शर्मा)

- **जन्म: 18 फरवरी 1916 ई०** को पटना के **बदरघाट** में हुआ।
- **जन्मना भाषा:** वे जन्म से **भोजपुरी भाषी** थे।
- **पारिवारिक पृष्ठभूमि:** वे दर्शन और संस्कृत के प्रख्यात विद्वान **महामहोपाध्याय पं० रामावतार शर्मा** के ज्येष्ठ पुत्र थे। उनकी माता का नाम **रत्नावती शर्मा** था।
- **शिक्षा:** उनकी स्कूल की पढ़ाई **पटना कॉलेजिएट स्कूल** से हुई और उन्होंने पटना विश्वविद्यालय से **संस्कृत और हिंदी** में एम० ए० किया।
- **कार्यक्षेत्र:** वे हरप्रसाद दास जैन कॉलेज (आरा), राँची विश्वविद्यालय और अंत में **पटना विश्वविद्यालय** में प्राध्यापक रहे। सन् 1959 में वे पटना विश्वविद्यालय के **हिंदी विभाग के अध्यक्ष** बने और अपनी मृत्युपर्यंत (**12 सितंबर 1961 ई०**) इस पद पर बने रहे।
- **साहित्यिक योगदान:** वे हिंदी कविता में **प्रपद्यवाद** (नकेनवाद) के प्रवर्तक और नई शैली के आलोचक के रूप में जाने जाते हैं।
- **प्रमुख रचनाएँ:**
  - **आलोचनात्मक ग्रंथ:** 'दृष्टिकोण', 'साहित्य का इतिहास दर्शन', 'मानदंड', 'हिंदी उपन्यास विशेषतः प्रेमचंद', 'साहित्य तत्त्व और आलोचना'।
  - **कहानी संग्रह:** 'विष के दाँत' और 'सत्रह असंगृहीत पूर्व छोटी कहानियाँ'।

कक्षा 10वीं – संस्कृत, पीयूषम भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#8. कर्मवीर कथा (Karmveer Katha)

2. कहानी का सारांश (विष के दाँत)

'विष के दाँत' कहानी एक **सामाजिक विषमता** को उजागर करती है। यह कहानी **मध्यम वर्ग** के लोगों की आकांक्षाओं, खोखलेपन और **लिंग-भेद** की मानसिकता को सामने लाती है।

- **सेन साहब का परिवार:** कहानी **सेन साहब** नामक एक **धनाढ्य व्यक्ति** के परिवार पर केंद्रित है। उनकी पाँच लड़कियाँ हैं, जो अत्यंत **शिष्ट** और घर के नियमों का पालन करने वाली हैं। उनका एक बेटा है—**खोखा** (जिसका नाम कासू है)—जो उनके बुढ़ापे का सहारा है और जिसके लिए घर के सभी नियम **शिथिल** हैं।
- **खोखा का स्वभाव:** सेन दंपति खोखा को **इंजीनियर** बनाना चाहते हैं, इसलिए उसकी हर गलती को **क्षमा** कर दिया जाता है। इस अतिशय दुलार के कारण खोखा **बदमिजाज** और **उच्छृंखल** (अटपटा व्यवहार करने वाला) बन गया है। वह अपने घर के कीमती सामानों को तोड़ता-फोड़ता है, जिसे सेन साहब उसकी **इंजीनियरी** की ट्रेनिंग मानते हैं।
- **वर्ग भेद और द्वंद्व:** सेन साहब की मोटर कार **'ब्लैक शाइन'** उनकी हैसियत का प्रतीक है। एक दिन खोखा मोटर कार के पास खड़ा होकर उसे छूने की कोशिश करता है और कार के अगले हिस्से की **हवा निकाल देता है**। यह देखकर **ड्राइवर** उसे धक्का दे देता है। तभी, सेन साहब के **किरानी** (चपरासी) का बेटा **मदन** जब खेलने के लिए आता है, तो उसे खोखा से **अलग** रखा जाता है।
- **कहानी का चरम:** मदन जब खोखा को छूने और उसके साथ खेलने की कोशिश करता है, तो खोखा की अतिशय अशिष्टता के कारण **मदन खोखा पर हमला** कर देता है और उसके **दो दाँत तोड़** देता है।
- **निष्कर्ष:** इस घटना के बाद सेन साहब मदन के पिता **गिरधरलाल** को नौकरी से निकाल देते हैं, लेकिन कहानी का मर्म यही है कि खोखा की **असामाजिक प्रवृत्तियाँ**

ही उसके दाँत तोड़ने का कारण बनीं। लेखक यह दर्शाते हैं कि **गरीबों का बच्चा** अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए अंततः **बदला** लेता है। 'विष के दाँत' शीर्षक समाज में व्याप्त **भेदभाव** और **खोखा के कुसंस्कारों** दोनों का प्रतीक है, जो एक विष के समान है।

कक्षा 10वीं – संस्कृत, पीयूषम भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#8. कर्मवीर कथा (Karmveer Katha)

1. 'विष के दाँत' शीर्षक पाठ किस कहानी संग्रह से लिया गया है? [2023AI, 2024AI]

(A) मित्र-मिलन

(B) विष के दाँत तथा अन्य कहानियाँ

(C) कुहासा

(D) मौत का नगर

2. 'वाकिफ' शब्द का अर्थ क्या है? [2023AII]

(A) सभ्यता

(B) घटना

(C) परिचित

(D) क्रूर

3. लेखक नलिन विलोचन शर्मा की माता का नाम क्या था? [2023AII]

(A) लीलावती शर्मा

(B) रत्नावती शर्मा

(C) कमलावती शर्मा

(D) प्रभावती शर्मा

4. मदन किसका बेटा था? [2023AII]

(A) ड्राइवर का

(B) गिरधर का

(C) मुकर्जी साहब का

(D) पत्रकार महोदय का

5. 'विष के दाँत' शीर्षक पाठ की विधा है- [2019AII, 2021 AI]

(A) निबंध

(B) कहानी

(C) रेखाचित्र

(D) डायरी

6. मदन के लिए क्या खाना मामूली बात थी [2023AII]

(A) दुत्कार

(B) प्यार

(C) मार

(D) फटकार

7. नलिन विलोचन शर्मा द्वारा लिखित कहानी निम्न में कौन है? [2023AII]

(A) मछली

(B) अक्षरों की कहानी

(C) विष के दाँत

(D) भारतीय लिपियों की कहानी

8. 'विष के दाँत' कहानी के रचयिता कौन है? [2020A]

(A) अमरकांत

(B) नलिन विलोचन शर्मा

(C) यतीन्द्र

(D) मैक्समूलर

9. सीमा, रजनी, आलो, शेफाली, आरती-पॉलो किसकी बहने थी? [2023AII]

(A) मदन की

(B) खोखा की

(C) लेखक की

(D) सेन साहब की

10. खोखा के दाँत किसने तोड़े? [2021 AI, 2022 A]

(A) मदन ने

(B) खोखा की

(C) लेखक की

(D) सेन साहब की

11. नलिन विलोचन शर्मा का जन्म ई० में हुआ [2023AII]

(A) 1914

(B) 1915

(C) 1916

(D) 1917

12. सेन साहब की कार की कीमत है- [2022A]

(A) साढ़े सात हजार

(B) साढ़े आठ हजार

(C) साढ़े नौ हजार

(D) साढ़े सात लाख

13. सेन साहब की आँखों का तारा है- [2023All]

(A) कार

(B) खोखा

(C) खोखी

(D) उपर्युक्त सभी

14. 'मोटर को कोई खतरा हो सकता है, तो .... से'। [2023All]

(A) खोखा

(B) मदन

(C) सीमा

(D) शेफाली

15. किसके अनुसार सेनों ने सिद्धांतों को भी बदल लिया था? [2023All]

(A) बेटियों के अनुसार

(B) खोखा के अनुसार

(C) मदन के अनुसार

(D) गिरधर के अनुसार

16. "ऐसे ही लड़के आगे चलकर गुण्डे, चोर, डाकू बनते हैं।" यह पंक्ति कहानी के किस पात्र ने कही है? [2023All]

(A) सेन साहब की धर्मपत्नी

(B) गिरधर

(C) सेन साहब

(D) शोफर

17. "मैं तो खोखा को इंजीनियर बनाने जा रहा हूँ"- यह कथन किसका है? [2023All]

(A) सेन साहब का

(B) मिस्टर सिंह का

(C) गिरधर लाल का

(D) मुकर्जी साहब का

18. सेन साहब की पाँचों लड़कियाँ कैसी थीं? [2023All]

(A) उद्दंड

(B) नासमझ

(C) मूर्ख

(D) सुशील

19. सेन साहब की कितनी लड़कियाँ थीं? [2023All]

(A) चार

(B) पाँच

(C) दो

(D) सात

20. नलिन विलोचन शर्मा के अनुसार महल और झोपड़ी वालों की लड़ाई में अक्सर कौन जीतते हैं? [2023All]

(A) महल वाले

(B) झोपड़ी वाले

(C) मासूम

(D) इनमें से कोई नहीं

21. 'रश्क' शब्द का अर्थ है [2023AII]

(A) प्रेम

(B) ईर्ष्या

(C) संबंध

(D) आदर

22. मदन पड़ोसियों के आवारागर्द छोकरों के साथ क्या कर रहा था? [2023AII]

(A) पतंग उड़ा रहा था

(B) क्रिकेट खेल रहा था

(C) लट्टू नचा रहा था

(D) चोर-सिपाही खेल रहा था

कक्षा 10वीं – संस्कृत, पीयूषम भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#8. कर्मवीर कथा (Karmveer Katha)

उत्तरमाला (Answer Key)

1 (B) विष के दाँत तथा अन्य कहानियाँ , 2 (C) परिचित , 3 (B) रत्नावती शर्मा , 4 (B) गिरधर का , 5 (B) कहानी , 6 (C) मार , 7 (C) विष के दाँत , 8 (B) नलिन विलोचन शर्मा , 9 (D) सेन साहब की , 10 (A) मदन ने , 11 (C) 1916 , 12 (A) साढ़े सात हजार , 13 (B) खोखा , 14 (A) खोखा , 15 (B) खोखा के अनुसार , 16 (C) सेन साहब , 17 (A) सेन साहब का , 18 (D) सुशील , 19 (B) पाँच , 20 (A) महल वाले , 21 (B) ईर्ष्या , 22 (C) लट्टू नचा रहा था

कक्षा 10वीं – संस्कृत, पीयूषम भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#8. कर्मवीर कथा (Karmveer Katha)

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Subjective Questions)

यहाँ दिए गए प्रश्नों के उत्तर आसान शब्दों में और उनके परीक्षा वर्ष के साथ हैं:

1. मदन हक्का-बक्का क्यों रह गया? [2021AI]

उत्तर : मदन हक्का-बक्का इसलिए रह गया क्योंकि:

- मदन को डर था कि जब उसने **काशू को पीटकर उसके दो दाँत तोड़ दिए**, तो रोज-रोज पिटाई करने वाले उसके पिता **गिरधर** आज और भी बुरी तरह से **दंडित** करेंगे।
- लेकिन इसके बजाय, गिरधर लाल ने **बेपरवाही, उल्लास और गर्व** के साथ मदन को हाथों से उठा लिया।
- अपने पिता के व्यवहार में आए इस **अचानक परिवर्तन** के कारण मदन **हैरान** रह गया।

2. काशू और मदन के बीच झगड़े का कारण क्या था? इस प्रसंग के माध्यम से लेखक क्या दिखाना चाहता है? [2011A, 2014AII, 2019A1]

उत्तर : झगड़े का कारण

झगड़े का कारण **लट्टू का खेल** था।

- मदन पड़ोस के लड़कों के साथ गली में लट्टू नचा रहा था।
- तभी काशू वहाँ आया और **रोब दिखाते हुए** मदन से लट्टू माँगा।
- जब मदन ने **लट्टू देने से मना कर दिया**, तो **आदत से लाचार** काशू (जो नौकरों और बहनों पर हाथ चला देता था) ने मदन को एक **घूंसा मार दिया**।
- मदन भी नहीं माना और वह तुरंत काशू पर **टूट पड़ा**।

लेखक का उद्देश्य

इस प्रसंग के माध्यम से लेखक **वर्ग-संघर्ष** की सच्चाई दिखाना चाहता है। यह लड़ाई केवल बच्चों की नहीं, बल्कि **"बंगले के पिल्ले और गली के कुत्ते"** की, और **"झोपड़ी और महल"** की लड़ाई थी। लेखक दिखाता है कि गरीब **मदन** ने अपने ऊपर हुए **अत्याचार का विरोध** किया।

3. खोखा किन मामलों में अपवाद था? [2017AII, 2021 AII, 2023A]

उत्तर : खोखा (काशू) निम्नलिखित मामलों में अपवाद था:

1. **जीवन के नियम का अपवाद:** वह सेन दम्पति का **एकमात्र सबसे छोटा लड़का** था, जो **पाँच लड़कियों के बाद** पैदा हुआ। वह **"ना उम्मीद बुढ़ापे की आँखों का तारा"** था, क्योंकि उसका जन्म तब हुआ जब सेन दम्पति को बेटे की **कोई उम्मीद बाकी नहीं** रह गई थी।
2. **घर के नियमों का अपवाद:** चूँकि वह जीवन के नियम का अपवाद था, यह स्वाभाविक था कि वह **घर के नियमों का भी अपवाद** था। उसे हर तरह की **छूट** मिली हुई थी, जबकि उसकी बहनें नियमों का पालन करती थीं।

4. विष के दाँत कहानी का नायक कौन है? तर्क पूर्ण उत्तर दें। [2014AI, 2017AI, 2022A]

उत्तर : 'विष के दाँत' कहानी का नायक **मदन** है।

तर्क:

- **नायक का उद्देश्य:** किसी कहानी का नायक वह होता है जो कहानी को उसके मुख्य **उद्देश्य** तक पहुँचाता है।
- **मदन की भूमिका:** मदन एक गरीब किन्तु **निर्भीक और आत्मसम्मान प्रिय** बालक है।
- **प्रतिरोध का प्रतीक:** मदन ही ड्राइवर की बातों का **प्रतिरोध** करता है।
- **शीर्षक की सार्थकता:** मदन ही **काशू के घमंड रूपी विष के दाँत को तोड़ता** है। यह घटना कहानी के केंद्रीय भाव को स्थापित करती है।
- अतः, कहानी में संक्षिप्त भूमिका होने के बावजूद **मदन ही नायक** है।

5. 'विष के दाँत' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [2016AI]

उत्तर : 'विष के दाँत' शीर्षक अत्यंत **सार्थक (meaningful), सटीक और चुस्त-दुरुस्त** है।

- **प्रतीकात्मक अर्थ:** यह शीर्षक **वर्ग-संघर्ष** को प्रतीकात्मक रूप से दर्शाता है।
    - **'विष'** अमीर वर्ग के **विषपूर्ण (घमंडी, क्रूर) व्यवहार** का प्रतीक है।

- **शीर्षक का औचित्य:** खोखा (अमीर वर्ग) और मदन (गरीब वर्ग) के बीच झगड़े में जब **खोखा के दो दाँत तोड़ दिए** जाते हैं, तो मदन के पिता इसे **खुशी का विषय** बताते हुए कहते हैं कि "तूने **विष के दो-दो दाँत तोड़ डाले** हैं"।
- **निष्कर्ष:** यह दाँत तोड़ना अमीरी के **शोषण और घमंड** पर गरीब के **विद्रोह और विजय** का प्रतीक है। इसलिए, यह शीर्षक कहानी के केंद्रीय भाव को पूरी तरह से न्याय देता है।

6. मदन और ड्राइवर के बीच के विवाद के द्वारा कहानीकार क्या बताना चाहता है? [2016AI]

उत्तर : मदन और ड्राइवर के बीच हुए विवाद के द्वारा कथाकार यह बताना चाहता है कि **अपने ऊपर किए गए अत्याचार का विरोध करना पाप नहीं है**।

- **विवाद:** सेन साहब की गाड़ी को **छूने भर की गलती** के लिए मदन को **शोफर (ड्राइवर) द्वारा घसीटा** जाता है।
- **प्रतीक:** मदन इस विवाद में **शोषण, अत्याचार और ज़बरदस्ती के खिलाफ बदला-प्रतिशोध** का प्रतीक है।
- **संदेश:** मदन द्वारा ड्राइवर का मुकाबला करना यह दिखाता है कि **अत्याचारियों पर विजय प्राप्त करने की कोशिश** करनी चाहिए, और **दमन का कड़ा विरोध** होना चाहिए। उसे **समूल नष्ट** कर देना चाहिए।

कक्षा 10वीं – संस्कृत, पीयूषम भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#8. कर्मवीर कथा (Karmveer Katha)

For Online Test – Kanak Ki PathShala

(For Registration : +91-720-916-1568)